को पेश हो।

23/11/22	व. प्रार्थी उप० / पत्रावली पूर्व आदेश अनुसार आगामी दिनांक 25/1/23 को पेश हो।
25/01/23	व. प्रार्थी उप० / पूर्व में रजि० एडी० रसीदें पेश की, जो शा० मि० की जाती है। अप्रार्थीगण बावजूद तामिल अनु० है। रजि० एडी० की रसीदें एक माह से अधिक का समय हो चुका है। अतः इनकी तामिल मानी जाकर इनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाती है। अधिवक्ता प्रार्थी की बहस सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। चुंकि इस वाद प्रारंभिक स्टेज पर था। प्रा० पत्र स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः प्रार्थना पत्र बाजपायरी का स्वीकार किया जाकर इस वाद को ... लाये जाने का आदेश ... जाते हैं। प्रा० पत्र फैसल ... इस नम्बर से ... के ... रहे।

Signature Not Verified

Digitally signed by Priyawarit Singh Charan
Date: 2023.02.13 14:30:02 IST
Reason: SelfAttested